

सविल सेवा के लयि आधारभूत मूल्य

सविल सेवा के लिये आधारभूत मूल्य

सविल सेवा के लिये आधारभूत मूल्य उन मौलिक सिद्धांतों और नैतिकताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो सविल सेवकों के आचरण तथा उत्तरदायित्वों का मार्गदर्शन करते हैं।

सत्यनिष्ठा

- सत्यनिष्ठा से तात्पर्य नैतिक सिद्धांतों की सुदृढ़ता, चरित्र की भ्रष्टता, ईमानदारी और निष्ठा से है।
- प्रकार:**
 - नैतिक सत्यनिष्ठा
 - बौद्धिक सत्यनिष्ठा
 - पेशेवर सत्यनिष्ठा
- उदाहरण:** सत्येंद्र दुबे (IES अधिकारी)- भारत के पहले मुखबिरों में से एक - ने स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग निर्माण परियोजना में भ्रष्टाचार को उजागर किया।

निष्पक्षता

- निष्पक्षता से तात्पर्य निष्पक्ष होने या किसी भी चीज़ या किसी के प्रति पक्षपातपूर्ण न होने और केवल मामले की योग्यता के अनुसार कार्य करने के गुण से है।
- उदाहरण:** एक अधिकारी को अपने हितों के प्रति पक्षपात दिखाने के बजाय समुदायों की ज़रूरतों के आधार पर धन वितरित करना चाहिये।

गैर-पक्षपात

- किसी भी राजनीतिक दल के प्रति गैर-पक्षपात, यानी राजनीतिक तटस्थता प्रदर्शित करना।
- उदाहरण:** वर्ष 1990-96 तक मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) के रूप में टी.एन. शेषन ने चुनाव प्रक्रिया में गैर-पक्षपात सुनिश्चित करने के लिये बदलाव किये।

वस्तुनिष्ठता

- समानता प्राप्त करने के लिये व्यक्तिगत राय के बजाय तथ्यों का पालन करना।
- उदाहरण:** सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को डिज़ाइन करते समय, धनी/राजनीतिक रूप से प्रभावशाली समूहों का पक्ष लेने के बजाय, वंचित आबादी की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।

सहिष्णुता

- अपने से भिन्न विचारों, प्रथाओं, जाति, धर्म आदि का सम्मान, स्वीकृति और सराहना।
- उदाहरण:** अशोक का धम्म (धार्मिक सहिष्णुता और धार्मिक उत्पीड़न को हतोत्साहित करना)

सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण

- प्रतिबद्ध, उत्तरदायी होना और जनहित को सर्वोपरि रखना।
- उदाहरण:** अशोक खेमका 1991 बैच के हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं जो भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों के लिये जाने जाते हैं।

नोलन समिति का सार्वजनिक जीवन का सिद्धांत

- सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करने वालों के नैतिक मानकों की रूपरेखा तैयार करना
- वर्ष 1995 में यू.के. में सार्वजनिक जीवन के मानकों पर समिति की रिपोर्ट सर्वप्रथम **लॉर्ड नोलन** द्वारा निर्धारित की गई
- भारत सहित विभिन्न देशों में लोक सेवकों और अधिकारियों पर लागू

सिद्धांत:

- निस्वार्थता
- ईमानदारी
- निष्पक्षता
- जवाबदेहिता
- खुलापन
- ईमानदारी
- नेतृत्व

